भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.08.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2602 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन के संबंध में कार्य की प्रगति

2602. श्री दर्शन सिंह चौधरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत कितने स्टेशनों का चयन किया गया है तथा उक्त योजना के अंतर्गत कितने स्टेशनों का उन्नयन किया गया है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन के संबंध में कार्य की प्रगति क्या है;

(ग) क्या सरकार का उक्त योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में वर्तमान में चयनित रेलवे स्टेशनों के अतिरिक्त और रेलवे स्टेशनों का चयन करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या उक्त योजना के अंतर्गत नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन का भी चयन करने का कोई प्रस्ताव है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन के संबंध में कार्य की प्रगति के संबंध में दिनांक 07.08.2024 को लोक सभा में श्री दर्शन सिंह चौधरी के अतारांकित प्रश्न सं. 2602 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इस योजना में प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर स्टेशनों तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, आवश्यकता अनुसार लिफ्टों/स्वचालित सीढ़ियों, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और स्टेशन के ऊपर कवर, स्वच्छता, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणालियों, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यापारिक बैठकों के लिए नामांकित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उसका चरणबद्ध रूप से क्रियान्वयन शामिल है।

योजना आवश्यकता, चरणबद्ध रूप से और यथा व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन इमारत में सुधार, शहर के दोनों भागों के साथ स्टेशन को जोड़ने, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान और लंबी अवधि में स्टेशन पर सिटी सेंटरों के निर्माण की भी परिकल्पना करती है।

अब तक इस योजना के तहत 1324 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से नरसिंहपुर और नर्मदापुरम स्टेशनों सहित 80 स्टेशन मध्य प्रदेश राज्य में स्थित हैं। नरसिंहपुर और नर्मदापुरम रेलवे स्टेशनों की निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और निर्माण कार्य

शुरू हो चुका है। मध्य प्रदेश राज्य में इस योजना के तहत चिह्नित स्टेशनों की सूची निम्नानुसार है:-

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
मध्य प्रदेश	80	अकोदिया, अमला, अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बानापुरा, बरगवां, ब्योहारी, बेरछा, बेतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, बियावरा राजगढ़, छिंदवाड़ा, डबरा, दामोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, होशंगाबाद, इंदौर, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुरवारा, कटनी साउथ, खाचरोड, खजुराहो, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मीबाई नगर, मैहर, मक्सी, मंडलाफोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा, नैनपुर, नरसिंहपुर, नेपांगर, नीमच, ओरछा, पांढुर्ना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रूठियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना, सागेर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, शामगढ़, श्योपुर कलां , शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा, विक्रमगढ़ आलोट

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिससे यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा जुड़ी होती है और दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज

बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राऊन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस समय कोई समय-सीमा इंगित नहीं की जा सकती है।

****